''ज़्या आपका उद्धार हुआ है?''

ज़्या आप बाइबल को निर्णय लेने देंगे?

I. ज़्या आपने ये बातें की हैं ?

1. _____ यूहन्ना 6:45
2. _____ यूहन्ना 8:24
3. _____ प्रेरितों 17:30
4. _____ रोमियों 10:10
5. _____ मत्ती 28:18, 19; प्रेरितों 8:35-39

बपतिस्मे के समय: _____ प्रेरितों 2:36-38

_____ प्रेरितों 22:16; मरकुस 16:16

_____ 1 पतरस 3:21

_____ प्रेरितों 2:47

II. ज़्या आप मसीह में हैं ?

2 कुरि. 5:17
कुलु. 1:14
2 तीमु. 2:10
1 यूह. 5:11
इफि. 1:3

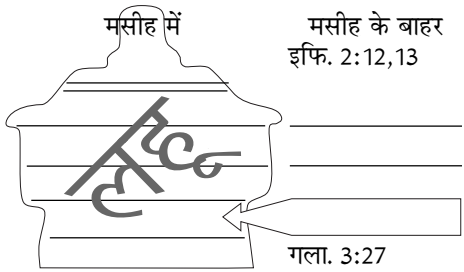

III. ज़्या आप देह में हैं ?

1. मसीह की कितनी देहें हैं ? _____ रोमियों 12:5
2. वह एक देह ज़्या है ? _____ कुलुस्सियों 1:18,24
3. हम उस एक देह में कैसे प्रवेश करते हैं ? _____ 1 कुरिन्थियों 12:13
4. फिर हम ज़्या हो जाते हैं ? _____ 1 कुरिन्थियों 12:27
   या अन्य शब्दों में मसीह के _____

एक ही बपतिस्मा (इफि. 4:5)

1. किसे ? सुनना, विश्वास करना, मन फिराना, अंगीकार करना है।
2. ज़्यों ? पापों की क्षमा (प्रेरितों 2:38)।
3. ज़्या ? पानी (मज़ी 3:16; प्रेरितों 8:38,39)।
4. कैसे ? गाड़े गए, जी उठे (रोमियों 6:4; कुलु. 2:12)।

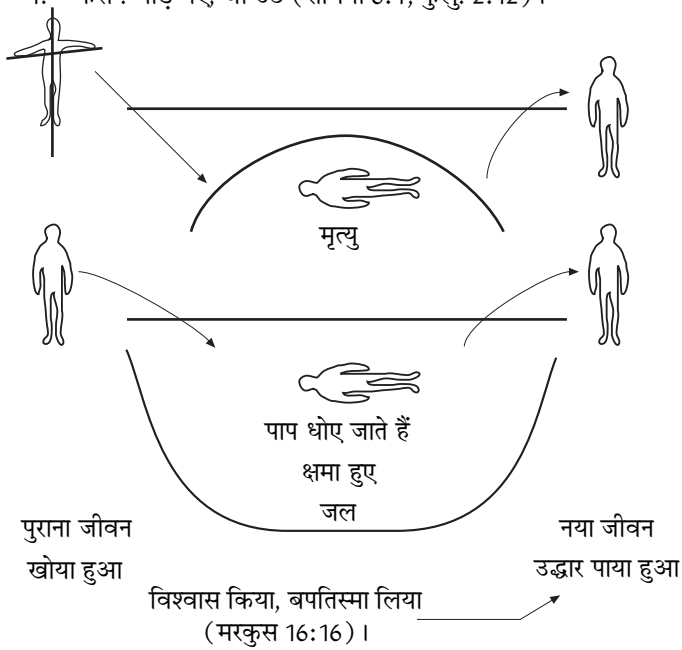

अध्ययन शीट प्रस्तुत करना:

''ज़्या आपका उद्धार हुआ है?''

अध्ययन शीट ''ज़्या आपका उद्धार हुआ है?'' को ''उद्धार'' शीट कहा जाता है। इसका इस्तेमाल टीचर'ज़ गाइड *(शिक्षक का मार्गदर्शक)* नामक भाग में पहले अध्ययन की गई तीन अध्ययन शीटों में से किसी के भी बाद हो सकता है; परन्तु अधिक तर्कपूर्ण रूप से यह ''ज़्या यीशु मनुष्य के लिए नया मार्ग है ?'' अध्ययन शीट के बाद ही किया जाता है।

उद्देश्य

''उद्धार'' की इस शीट का उद्देश्य यह बताना है कि यीशु अपने लहू से धोने और अपनी देह के एक अंग के रूप में उद्धार पाए हुए लोगों अर्थात कलीसिया के रूप में हमें स्वीकार करने से पहले ज़्या चाहता है।

संक्षेप में पाठ

सार में पाठ इस प्रकार है: उद्धार पाने के इच्छुक अर्थात अपने पापों की क्षमा चाहने वालों को परमेश्वर का वचन सिखाया जाना जरूरी है। यीशु में विश्वास लाकर, यीशु के लिए जीने को तैयार होकर, उसमें अपने विश्वास का अंगीकार करके और अपने पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लेकर वे यीशु में आ सकते हैं, जहां उन्हें सब प्रकार की आत्मिक आशिषें मिल सकेंगी। मसीह में बपतिस्मा ले चुके लोग एक देह अर्थात मसीह की कलीसिया में हैं।

परिचय

[इस पाठ के परिचय के लिए संक्षेप में पहले तीन पाठ बताए जा सकते हैं। ऐसा करके शिक्षक यह बता सकता है कि संसार में पाप और मृत्यु, आदम और हव्वा द्वारा ही आए। सृष्टि की रचना से पहले ही, परमेश्वर जानता था कि पाप इसमें प्रवेश कर जाएगा और उसने पहले से ही क्रूस पर यीशु की मृत्यु के द्वारा मनुष्य जाति के उद्धार की योजना बना ली थी। उसने यह सिद्ध करने के लिए कि मनुष्य अपना उद्धार स्वयं नहीं कमा सकता बल्कि उसे यीशु के लहू द्वारा उपलज़्ध करवाना आवश्यक है, व्यवस्था दी। यीशु के नाम में पापों की

क्षमा का प्रचार यरूशलेम से आरज़्भ करके, सारे संसार में किया गया। हर जगह जहां भी किसी ने इस संदेश को ग्रहण किया उनका उद्धार वैसे ही हुआ जैसे पिंतेकुस्त के दिन सुसमाचार को मानने वालों का हुआ था।]

यीशु के विषय में इब्रानियों 1:1-4 सिखाता है: (1) परमेश्वर ने इस युग में हमारे साथ उसके द्वारा बात की है। (2) उसे सब वस्तुओं का वारिस ठहराया गया है। (3) सृष्टि की रचना उसी ने की। (4) वह स्वभाव तथा महिमा से पिता की तरह ही है। (5) वह अपने वचन से सब वस्तुओं को स्थिर रखता है। (6) उसने हमारे पापों को धो डाला है। (7) अपना काम पूरा करके वह पिता के दाहिने हाथ बैठ गया।

संसार के पापों को क्षमा करने में सक्षम होने के लिए, उसका मूल्य सारे संसार से अधिक होना आवश्यक था। यदि कोई किसी के सौ रुपये वाले हज़ार बिल जला दे, तो उसे जलाए गए सौ रुपये का एक बिल देने से बात नहीं बनेगी, परन्तु वह लाख रुपए का एक बिल दे सकता है। यदि यीशु केवल मनुष्य होता, तो उसने सारे संसार के पापों के लिए मरने में सक्षम नहीं होना था, परन्तु परमेश्वर के होने (यूहन्ना 1:1), और सारे संसार से अधिक मूल्य का होने के कारण, वह संसार में रहने वाले प्रत्येक व्यज़्ति के पापों का दाम चुका सकता था (1 यूहन्ना 2:2)।

इसलिए, प्रश्न यह नहीं है कि यीशु अपने लहू से हमारे पापों को क्षमा करा सकता है या नहीं, बल्कि यह है कि उसके लहू से धोए जाने के लिए हमें ज़्या करना है?

I. ज़्या आपका उद्धार हुआ है?

हमारा सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि ज़्या हमने वह किया है या नहीं जो परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम उद्धार पाने के लिए पहल करें। ज़्या आपको लगता है कि आपका उद्धार हो चुका है? यदि हां, तो आपने उद्धार पाने के लिए ज़्या किया था? आइए लिख लेते हैं कि आपने ज़्या किया? बस इतना ही? ज़्या आपने बपतिस्मा लिया था? आपने बपतिस्मा ज़्यों लिया था? उद्धार पाने के लिए आपने बपतिस्मा कब लिया था? ज़्या आपने बपतिस्मा उद्धार पाने के लिए लिया था या यह दिखाने के लिए कि आपका उद्धार पहले ही हो गया है? बपतिस्मा आपने किसी कलीसिया के सदस्य बनने के लिए लिया था या उद्धार पाने के लिए? यदि ''उद्धार पाया'' शज़्द लिखना हो, तो आप इसे ''बपतिस्मा ले लिया'' से पहले लिखेंगे या बाद में?

ज़्या आप इस बात का फैसला बाइबल पर छोड़ने को तैयार हैं कि आपका उद्धार हुआ है या नहीं? ज़्या आप बाइबल की शिक्षा की कसौटी पर अपने उद्धार की जांच करने के लिए तैयार हैं?

1. बाइबल सिखाती है कि हमारे लिए कुछ बातें करनी आवश्यक हैं। ज़्या आपने वे बातें की हैं? यूहन्ना 6:45 हमें ज़्या करने के लिए समझाता है? [यूहन्ना 6:45 पढ़ें।] जो लोग यीशु के पास आ सकते हैं उन्होंने *ज़्या* किया है? [रिज़्त स्थान में ''सुनना और सीखना'' भर लें।] इस आयत से पता चलता है कि यीशु के पास आने वाले को परमेश्वर

का सिखाया होना आवश्यक है। जब हम बाइबल पढ़ते हैं तो हमें कौन सिखा रहा होता है? यदि हम बाइबल पढ़ रहे हैं, तो हमें *मनुष्य* सिखा रहा होता है या *परमेश्वर*? यीशु के पास हमें मनुष्य की शिक्षा लाती है या परमेश्वर की? ज़्या हमें यीशु के पास *केवल* परमेश्वर की शिक्षा नहीं लाती?

2. परमेश्वर का वचन हमें ज़्या करने के लिए सिखाता है? [यूहन्ना 8:24 पढ़ें।] अपने पापों में मरने से बचने के लिए हमें *ज़्या* करना आवश्यक है? [रिज़्त स्थान में ''यीशु में विश्वास'' भर लें।] ज़्या होगा यदि हम यीशु में विश्वास नहीं करते (यूहन्ना 8:21)?

3. वचन और ज़्या बताता है जो हमें करना चाहिए? [प्रेरितों 17:30 पढ़िए।] परमेश्वर लोगों को *ज़्या* करने की आज्ञा देता है? [रिज़्त स्थान में ''मन फिराना'' भर लें।] हमें किससे मन फिराना चाहिए? ''मन फिराने'' का ज़्या अर्थ है? (बहुत से लोगों का मानना है कि ''मन फिराने'' का अर्थ अपने पापों से लज्जित होना है। 2 कुरिन्थियों 7:10 के अनुसार, शोक से मन फिराव उत्पन्न होना चाहिए, परन्तु केवल शोक करना मन फिराव नहीं है। मन फिराने का अर्थ वे सब काम *करने* से जिनसे परमेश्वर अप्रसन्न होता है उन बातों को *करने* की ओर मुड़ने का निश्चय करना है जिनसे वह प्रसन्न होता है।)

4. यीशु में विश्वास करने वाले को केवल अपने पापों से ही मन फिराने के साथ-साथ और ज़्या करना आवश्यक है? [रोमियों 10:10 पढ़ें।] उद्धार पाने के लिए मुंह से *ज़्या* किया जाता है? [रिज़्त स्थान में ''अंगीकार'' भरें।] किस बात का अंगीकार किया जाता है (रोमियों 10:9)? अपने पापों का अंगीकार *नहीं* बल्कि यीशु के मसीह अर्थात परमेश्वर का पुत्र होने का अंगीकार (मत्ती 16:16)।

5. यीशु में विश्वास करने वाले को और ज़्या करना आवश्यक है? [मत्ती 28:18, 19; प्रेरितों 8:35-39 पढ़ें।] सीखकर यीशु में विश्वास लाने वालों को *ज़्या* करना चाहिए? [रिज़्त स्थान में ''बपतिस्मा लेना'' भरें।]

बपतिस्मा लेने के समय ज़्या प्रतिज्ञा दी गई है? इस नये मार्ग का संदेश सबसे पहले सुनने वालों को यीशु के नाम में किस बात के लिए बपतिस्मा लेने को कहा गया था? [प्रेरितों 2:38 पढ़ें।] उन्हें *किस लिए* बपतिस्मा दिया गया था? [रिज़्त स्थान में ''पापों की क्षमा'' भरें।]

शाऊल यीशु में विश्वास करने लगा था और उसने अपने पापों से मन फिरा लिया था। उसे क्षमा पाने के लिए ज़्या करने के लिए कहा गया था? [प्रेरितों 22:16 पढ़ें।] उसे बपतिस्मा लेने के लिए *ज़्यों* कहा गया था [रिज़्त स्थान में ''पाप धोना'' भरें।]

विश्वास करने और बपतिस्मा लेने के विषय में यीशु ने ज़्या कहा था? [मरकुस 16:15, 16] यीशु ने कहा था कि जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसका *ज़्या* होगा? [रिज़्त स्थान में ''उद्धार'' भर लें।] जो कुछ पतरस ने लिखा ज़्या वह यीशु की शिक्षा से मेल खाता था? [1 पतरस 3:21 पढ़ें।] पतरस *ज़्या* कहता है कि बपतिस्मा अब हमारे लिए ज़्या करता है? ज़्या यह यीशु की बात से मेल खाता है?

इस भाग में हमने ज़्या सीखा? हमने सीखा कि परमेश्वर के वचन की शिक्षा को

मानकर यीशु में विश्वास लाने वालों को यीशु के लिए जीवन बिताने का निश्चय करके बपतिस्मा लेने वालों को, उसमें अपने विश्वास का अंगीकार करने वालों को उनके पापों से उद्धार मिलेगा। [''उद्धार पाया'' का अर्थ पापों से उद्धार है (मत्ती 1:21)।]

उद्धार पाने वालों को अकेला नहीं छोड़ा जाता। उन्हें किसमें मिलाया जाता है? [प्रेरितों 2:47 पढ़ें।] उद्धार पाने वालों को *किस* में मिलाया जाता है? [रिक्त स्थान में ''कलीसिया में मिलाया'' या ''उनमें मिलाया'' भरें।] समझाएं कि बपतिस्मा लेने पर हमारा उद्धार होता है और परमेश्वर हमें विश्वासियों की मण्डली अर्थात कलीसिया में मिला लेता है।

II. मसीह में

इसमें कोई संदेह नहीं कि उद्धार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विचार करते हुए, हर किसी को यह स्पष्ट हो कि वह बाइबल की शिक्षा को समझता है। आयकर का फार्म भरते समय हम आम तौर पर दो-तीन बार देख लेते हैं कि कोई गलती न रह जाए और किसी प्रकार की गलती को ढूंढ़ने के लिए हम दो-तीन तरह के अलग-अलग ढंग अपनाते हैं। यह तय करने के लिए कि उद्धार के विषय में बाइबल ज़्या सिखाती है, उन्हें और भी चौकसी बरतनी चाहिए।

इस भाग में हम यह सुनिश्चित करने के लिए, जांच करेंगे कि हमें पता है कि यीशु के लहू से मिलने वाले लाभ हमें कब मिले। ऐसा हम **मसीह में** मिलने वाली आशिषों पर विचार करके और यह तय करके करेंगे कि उन आशिषों को पाने के लिए हम मसीह में कैसे आते हैं।

''मसीह में'' कौन सी आत्मिक आशिषें मिलती हैं? [2 कुरिन्थियों 5:17 पढ़ें।] मसीह में आने वाला व्यक्ति *ज़्या* है? [2 कुरिन्थियों 5:17 के बाद और उस रेखाचित्र में जिसमें ''मसीह में'' शब्द दिए गए हैं, रिक्त स्थान में ''नई सृष्टि'' भरें।]

मसीह में हमें और कौन सी आत्मिक आशिषें मिलती हैं? [KJV से कुलुस्सियों 1:14 पढ़ें, परन्तु यदि KJV से नहीं तो इफिसियों 1:7 पढ़ें।] मसीह में *कौन सी* आशीष है? [रिक्त स्थान में ''पापों की क्षमा'' भर लें।] मसीह में पापों की क्षमा कैसे मिलती है? ज़्या पापों की क्षमा मसीह के *लहू* से मिलती है? मसीह में आने वालों को यीशु के *लहू* द्वारा क्षमा मिल गई है।

मसीह में मिलने वाली दूसरी आत्मिक आशीष कौन सी है? [2 तीमुथियुस 2:10 पढ़ें।] *कौन सी* आशीष है मसीह में? [रिक्त स्थान में ''उद्धार'' भरें।] मसीह में उद्धार उसमें मिलने वाली दूसरी आशीष के कारण है (2 तीमुथियुस 2:1)। यह दूसरी आशीष कौन सी है? परमेश्वर के *अनुग्रह* के कारण, मनुष्यजाति के उद्धार के लिए यीशु का लहू बहाया गया था। यह अनुग्रह मसीह में है और इससे मसीह में आने वालों को उद्धार मिलता है।

मसीह में मिलने वाली दूसरी आत्मिक आशीष ज़्या है? [1 यूहन्ना 5:11 पढ़ें।] *कौन सी* आशीष मसीह में है? [रिक्त स्थान में ''अनन्त जीवन'' भरें।] अनन्त जीवन पाने के

लिए यीशु में विश्वास करने के लिए (यूहन्ना 3:16) वही करना आवश्यक है जो मसीह में आने के लिए करना जरूरी है।

मसीह में हमें और ज़्या मिलता है? [इफिसियों 1:3] मसीह में *कितनी* आत्मिक आशिषें हैं? [रिज़्त स्थान में ''सब प्रकार की आत्मिक आशिषें'' भरें] बहुत से लोगों को धन, कारें, सज़्पज़ि, जायदाद, पुराने नियम की आशिषें आदि होना मसीह में होने का चिह्न ही लगता है; परन्तु मसीह में आने वालों को इन आशिषों की प्रतिज्ञा नहीं दी गई है। मसीही *न होने वालों के* पास ये सभी आशिषें हो सकती हैं, परन्तु सब प्रकार की आत्मिक आशिषें *केवल* उन लोगों के लिए हैं जो मसीह में हैं अर्थात जो लोग मसीही हैं।

मसीह से बाहर रहने वालों की स्थिति ज़्या है? ज़्या उन्हें मसीह में मिलने वाली आत्मिक आशिषें मिलती हैं? [इफिसियों 2:12, 13 पढ़ें।] मसीह से बाहर रहने वाले *किस* के बिना हैं? [रिज़्त स्थान में ''मसीह के बाहर'' के नीचे ''मसीह के बिना,'' ''आशा रहित,'' और ''परमेश्वर के बिना'' भरें।]

ध्यान दें कि मसीह में आने से पहले वे दूर थे, परन्तु *अब* जबकि *मसीह में* होने के कारण उन्हें यीशु के लहू के द्वारा निकट लाया गया है। परमेश्वर से दूर रहने वालों को परमेश्वर के निकट *यीशु का लहू* ही ला सकता है। यीशु के लहू द्वारा निकट लाए गए लोग मसीह में हैं। यीशु के लहू से मिलने वाले लाभ को पाने के लिए कहां होना आवश्यक है? मसीह में।

ज़्या यीशु के बाहर रहकर आत्मिक आशिषें पाई जा सकती हैं? परमेश्वर ने आत्मिक आशिषें मसीह में ही देने की योजना बनाई और प्रतिज्ञा की थी (उत्पज़ि 22:18; गला. 3:14-16)।

पवित्र शास्त्र में केवल दो जगह बताया गया है कि कोई यीशु में कब आता है। हम यीशु में कैसे आते हैं? [गलातियों 3:27 और रोमियों 6:3, 4 पढ़ें।] कोई यीशु में *कब* आता है? [रिज़्त स्थान में ''में बपतिस्मा लिया'' भरें।]

मसीह में मिलने वाली आशिषें पाने के लिए ज़्या करना आवश्यक है? यदि कोई मसीह के बाहर रहकर इन आशिषों को पा सकता है तो वह इन्हें यीशु के बिना भी पा सकता है ज़्योंकि यीशु का लहू उनके लिए है जो उसमें हैं।

ध्यान दें कि किस प्रकार भाग I और II वही सच्चाई सिखाते हैं। बपतिस्मा लेने वाले को ''पापों की क्षमा,'' ''पाप से शुद्ध होने,'' और ''उद्धार पाने'' की आशीष मिलती है। मसीह में बपतिस्मा लेने पर, हम यीशु के लहू द्वारा एक ''नई सृष्टि'' बन जाते हैं ज़्योंकि पुरानी बातें (स्पष्टतया पाप) जाती रहीं, जिसका अर्थ ''पाप धोए गए'' और यीशु के लहू द्वारा ''पापों की क्षमा'' और ''उद्धार'' मिलता है, या यूं कहें कि हम ''बचाए'' जाते हैं।

क्षमा के *ज़्या?* और *कब?* होने पर भी ध्यान दें। यीशु का लहू ही है *जिससे* पाप क्षमा होते हैं, जबकि बपतिस्मा लेने पर ही *जब* यीशु का लहू हमारे पापों को क्षमा करता है। बपतिस्मा *ज़्या* नहीं है, यह केवल पानी में पापों को क्षमा करने की शज़्ति *नहीं* है। इसके बजाय हमारे पाप बपतिस्मा *लेने* से ही क्षमा होते हैं। बाइबल के *जो* और *जब* का अच्छा

उदाहरण अंधे आदमी का चंगा होना है (यूहन्ना 9:1-8)। यीशु की सामर्थ ही है *जिसने* उसे दृष्टि दी, परन्तु शीलोम के कुंड के जल में धोने से ही वह देखने लगा था। उसे दृष्टि जल से *नहीं* बल्कि यीशु की सामर्थ से मिली थी। अत: हमारे पापों की क्षमा बपतिस्मे से नहीं (यह तो यीशु के लहू से होती है) बल्कि तभी होती है *जब* यीशु का लहू क्षमा करता है।

एक ही बपतिस्मा

[यह सुनिश्चित करने के लिए कि सीखने वाले को बपतिस्मे सम्बन्धी बाइबल की शिक्षा समझ आती है, अध्ययन शीट के *पीछे* (देखें पृष्ठ 136।) ''एक ही बपतिस्मा (इफि. 4:5)'' लिखें। फिर लिखें: ''1. कौन?''; ''2. क्यों?''; ''3. क्या?''; ''4. कैसे?'']

बाइबल यह *नहीं* सिखाती कि *कोई* भी बपतिस्मा सही है। बाइबल सिखाती है कि बपतिस्मा *एक* ही है। किसी की जेब में बहुत सी कुंजियां हो सकती हैं, परन्तु यदि उसके पास सही कुंजी नहीं है, तो वह दरवाज़ा नहीं खोल सकेगा। अत: हो सकता है कि किसी ने कई बार बपतिस्मा लिया हो, परन्तु वह एक बपतिस्मा न लिया हो जिसकी आज्ञा यीशु ने दी थी।

अध्ययन शीट के सामने वाले भाग से हमने सीखा कि बपतिस्मा किसे दिया जाना चाहिए। बपतिस्मा *किसे* दिया जा सकता है? जिन्होंने सुनकर और सीखकर, यीशु में विश्वास किया, मन फिराया और यीशु का अंगीकार किया हो। [*पिछली ओर* ''सुनना, विश्वास करना, मन फिराना, अंगीकार करना'' लिखें। ''किसे?'' के बाद यह लिखकर बताएं कि यह दूसरी ओर समझाया गया था। देखें पृष्ठ 136।]

बपतिस्मा *क्यों* आवश्यक है? पिन्तेकुस्त के दिन यीशु के नाम में सबसे पहले पापों की क्षमा का प्रचार करते हुए, पतरस ने यीशु के नाम में ''पापों की क्षमा के लिए'' बपतिस्मे का प्रचार किया। [*पिछली ओर* ''क्यों?'' के बाद ''पापों की क्षमा (प्रेरितों 2:38)'' लिखें। देखें पृष्ठ 136।] गलत उद्देश्य से बपतिस्मा लेना यीशु की आज्ञा मानना नहीं है (इब्रानियों 5:9)। कोई माता-पिता अपने बच्चे को नगर में किरियाने का सामान लेने भेजते हैं। यदि वह बच्चा नगर में तो जाए परन्तु सामान न लाए, तो वह नगर में तो गया परन्तु उसने माता-पिता की आज्ञा नहीं मानी। यदि कोई व्यक्ति बपतिस्मा ले लेता है, परन्तु उसने सही कारण के लिए बपतिस्मा नहीं लिया है तो उसने यीशु की आज्ञा नहीं मानी है।

बपतिस्मे में *क्या* इस्तेमाल होना चाहिए? यीशु ने पानी में बपतिस्मा लिया था (मत्ती 3:16)। हब्शी खोजे ने पानी में बपतिस्मा लिया था (प्रेरितों 8:36-39)। पतरस ने लोगों को पानी में बपतिस्मा लेने का निर्देश दिया (प्रेरितों 10:47) था। [*पिछली ओर* ''क्या?'' के बाद ''पानी (मत्ती 3:16; प्रेरितों 8:38, 39)'' लिखें। देखें पृष्ठ 136।]

बपतिस्मा *कैसे* दिया जाता था? बाइबल सिखाती है कि बपतिस्मे में हम ''गाड़े जाकर'' ''जी उठते'' हैं [*पिछली ओर* ''गाड़े गए, जी उठे (रोमियों 6:4; कुलुस्सियों 2:12)'' लिखें। यीशु के गाड़े जाने और जी उठने से हमारे बपतिस्मे की तुलना करने के लिए एक तस्वीर बनाएं। देखें पृष्ठ 136।]

बपतिस्मा एक संस्कार से कहीं बढ़कर है। बपतिस्मे में ''नये जीवन'' में जी उठने से पहले ''पुराने जीवन'' की *मृत्यु* होनी आवश्यक है (रोमियों 6:4)। बपतिस्मे में ऐसे मरने पर हमारे ''पाप धोए जाते हैं'' और हमें ''क्षमा किया'' जाता है। हम पुराना जीवन छोड़कर नया जीवन जीने के लिए मसीह में आ जाते हैं, और अब ''खोया हुआ'' नहीं बल्कि ''उद्धार पाया हुआ'' बन जाते हैं। [*पिछली ओर* इन बातों को लिखें। देखें पृष्ठ 136।]

इस भाग में हमने ज़्या सीखा है? हमने सीखा है कि बपतिस्मे में यीशु के साथ गाड़े जाकर जी उठने वाले लोग यीशु में आते हैं और यीशु के लहू द्वारा उपलज़्ध कराई गई आत्मिक आशिषें प्राप्त होती हैं। यीशु के बाहर रहने वाले लोग यीशु के बिना हैं इसलिए वे इन आशिषों से रहित हैं।

III. एक देह में

भाग I में हमने सीखा कि बपतिस्मा लेने वालों को विश्वासियों की मण्डली अर्थात कलीसिया में मिला लिया जाता है। इस ज़ाग में हम इस विचार को दोबारा एक और परिप्रेक्ष्य में देखेंगे।

1. बाइबल मसीह की देहों की गिनती के विषय में सिखाती है। मसीह की कितनी देहें हैं? [रोमियों 12:5 पढ़ें।] *कितनी* देहें हैं मसीह की? [रिज़्त स्थान में ''एक'' भरें।]

2. ''देह'' शज़्द का इस्तेमाल लोगों के एक समूह, जैसे ''छात्र समूह'' या ''लोगों के समूह'' के लिए किया गया है। मसीह में एक देह अर्थात लोगों का समूह कौन है? [कुलु. 1:18, 24] एक देह *ज़्या* है? [रिज़्त स्थान में ''कलीसिया'' भरें।]

3. मसीह में एक देह का सदस्य बनने के लिए मसीह में कैसे आया जा सकता है? भाग II में हमने सीखा कि मसीह में कैसे आते हैं। 1 कुरिन्थियों 12:13 वही सच्चाई सिखाती है [1 कुरि. 12:13 पढ़ें।] हम एक देह में *कैसे* आते हैं? [रिज़्त स्थान में ''में बपतिस्मा लिया'' भरें।]

4. जो लोग मसीह में हैं वे किसके सदस्य हैं? [1 कुरि. 12:27 पढ़ें।] फिर हम *ज़्या* हैं [रिज़्त स्थान में ''मसीह की देह'' भरें।] *देह* और *कलीसिया* एक ही हैं। अत: यदि कोई मसीह की देह का अंग है, तो वह *किसकी* कलीसिया का सदस्य होगा? [रिज़्त स्थान में ''कलीसिया'' भरें।]

इस भाग में हमने ज़्या सीखा? हमने सीखा कि मसीह में बपतिस्मा लेने पर हम मसीह की देह के अर्थात मसीह की कलीसिया के सदस्य बन जाते हैं।

निष्कर्ष

इस अध्ययन में हमने सीखा कि कोई अपने पापों से कैसे उद्धार पाता है।

I. *ज़्या आपने ये बातें की हैं?* ज़्या आपने सुना और सीखा है, यीशु में विश्वास किया है, मन फिराया है, यीशु में विश्वास का अंगीकार किया है, और बपतिस्मा लिया है? यदि आपने ये सब बातें की हैं, तो आपको आपके पापों से क्षमा मिल गई है, आपके पाप धो दिए

गए हैं, आपका उद्धार हो गया है, और आप यीशु के विश्वासियों की मंडली के सदस्य बन गए हैं।

II. *ज़्या आप मसीह में हैं?* यदि हैं, तो आप एक नई सृष्टि, पापों की क्षमा पाए हुए, उद्धार प्राप्त, अनन्त जीवन और सभी आत्मिक आशिषें पाए हुए हैं। यदि आप मसीह में *नहीं हैं* तो आप मसीह के बिना, आशा रहित और परमेश्वर के बिना हैं।

कोई यीशु में कैसे आ सकता है? मसीह में हम कितने बपतिस्मे लेकर आते हैं? ज़्या आपने वह एक बपतिस्मा लिया है? ज़्या आप परमेश्वर की ओर से उसके वचन द्वारा सिखाए गए हैं, आपने यीशु में विश्वास किया है, अपने पापों से मन फिराया, यीशु का अंगीकार किया और बपतिस्मा लिया है (अर्थात आप पानी में से गाड़े जाकर जी उठे हैं)? ज़्या बपतिस्मा आपने पापों की क्षमा के लिए लिया था?

ज़्या आप बता सकते हैं कि आपका उद्धार कब हुआ था? ज़्या आप किसी रिवाइवल मीटिंग में आगे गए थे? ज़्या उन्होंने आपको उस समय बपतिस्मा दिया था या बाद में लेने के लिए कहा था? यदि उन्होंने उस समय बपतिस्मा नहीं दिया, तो यही माना होगा कि बपतिस्मे का कोई महत्व नहीं है। बाइबल में बताया गया है कि लोगों ने सच्चाई को मानकर उसी दिन (प्रेरितों 2:41), उसी घड़ी (प्रेरितों 16:33), तुरन्त (प्रेरितों 9:18) बपतिस्मा लिया था।

उद्धार नज़्बरों वाले एक ताले की तरह है। वह ताला एक नज़्बर मिलाने से खुल नहीं पाएगा। ताला तभी खुलेगा जब सभी नज़्बरों को एक-एक करके मिलाया जाएगा। उद्धार के लिए भी यही बात सत्य है। हमारा उद्धार *केवल* तभी होता है जब हम उद्धार की सब शर्तों को पूरा कर लें, जो कि विश्वास को बपतिस्मे में मानकर पूरी होती हैं।

ज़्या आप मसीह में आना चाहते हैं? आना चाहते हैं, है न? ज़्या आप यीशु के लिए नया जीवन जीना चाहते हैं? यदि हां तो आप बपतिस्मा लेकर उसकी मृत्यु में उसके साथ अपने पिछले जीवन की ओर से मरकर गाड़े जाकर उसके साथ नया जीवन जीने के लिए जी ज़्यों नहीं उठते?

III. *ज़्या आप उस देह में हैं?* यीशु हमें कितनी देहों के अंग (सदस्य) बनाना चाहता है?

ज़्या आप मसीह की देह अर्थात मसीह की कलीसिया के अंग या सदस्य बनना चाहते हैं? यीशु के अनुयायी बनकर आप उसकी कलीसिया में ज़्यों नहीं आते? अभी बपतिस्मा ज़्यों नहीं ले लेते?